'क्षितिज को मिलता एक सहारा' से शुरूकर देशभक्ति का संचार प्रत्येक श्रोतागण में कर दिया। ②
उन्होंने 'भारतीय साहित्य' का सम्पूर्ण चित्रण धरातल पर उतारकर रख दिया। गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं के माध्यम से अपने देश का भ्रमण करवाया। उन्होंने यात्रा साहित्य, आंचलिक उपन्यास, गाँव के रीतिरिवाजों के विषय में विस्तार से बताया। प्राचार्य महोदया ने प्रस्तुतिकरण की सराहना की। डॉ॰ सपना पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन एवं डॉ॰ ज्योति वाजपेई ने महाविद्यालय की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिनाँक 20/06/2020 वेबिनार का प्रारम्भ डॉ॰ सपना पाण्डेय द्वारा किया गया। प्राचार्य महोदया ने मुख्य वक्ता डॉ॰ यामिनी पाण्डेय विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग राज॰ महिला महा॰ बेहट सहारनपुर एवं अन्य मनीषीजनों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने 'Uttarakhand- A Journey of Culture and Heritage' विषय पर गहराई से वर्णन किया। उन्होंने उत्तराखण्ड के इतिहास, संस्कृति, खान-पान, पहनावा एवं भ्रमण योग्य स्थानों को बताने के साथ-साथ दिखाया। जीवंत प्रस्तुतिकरण से तो कुछ क्षण ऐसा लगा कि हम सभी उत्तराखण्ड की वादियों में विचरण कर रहे हैं। अपने प्रस्तुतिकरण का समापन 'पहाड़ी लोक गीत' के माध्यम से कर समस्त श्रोतागणों को मंत्रमुग्ध कर दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ॰ ज्योति वाजपेई EBSB क्लब कोऑर्डिनेटर द्वारा किया गया।

दिनाँक 21/06/2020 'वेबिनार श्रृंखला' के अंतिम दिन का प्रारम्भ भावुकतापूर्ण ढंग से संयोजक डॉ॰ सपना पाण्डेय द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ॰ सचिन कुमार विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग राज॰ महा॰ टीचर एजूकेशन धर्मशाला हिमाचल प्रदेश ने 'Himachal Pradesh: A glimpse into its beauties and bounties' विषय पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से वहाँ की संस्कृति, सभ्यता, कला एवं साहित्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रकृति के सानिध्य में आकर ही आध्यात्मिक द्वार की ओर अग्रसर होते हैं, जो परम सत्य है। उन्होंने बताया कि प्राचीन मंदिर, खूबसूरत वादियाँ पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु हैं। प्रस्तुतिकरण के पश्चात प्राचार्य महोदया ने सरकार के इस सुन्दर प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं सुन्दर प्रस्तुति के लिए मुख्य वक्ता की सराहना की, समस्त अतिथिजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने आशीर्वचनों से सभी को अभिसिंचित किया। डॉ॰ ज्योति वाजपेई ने कृतज्ञता ज्ञापित की। तत्पश्चात डॉ॰ सपना पाण्डेय ने बताया कि 'वेबिनार श्रृंखला' के माध्यम से सरकार के सकारात्मक प्रयास को नियोजित गन्तव्य तक पहुँचाने हेतु महाविद्यालय संकल्पबद्ध है। संयोजक डॉ॰ पाण्डेय ने क्रमबद्ध तरीके से 'वेबिनार श्रृंखला' के समस्त वक्ताजनों को उनकी भावपूर्ण अभिव्यक्ति, समस्त विद्वतजनों को गरिमामयी उपस्थिति, प्राचार्य महोदया को पूर्ण सहयोग, एवं महाविद्यालय की सम्पूर्ण टीम को अनवरत योगदान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ॰ सपना पाण्डेय
कोऑर्डिनेटर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'

Seen. Aupl.

Scanned with CamSca

Scanned by TapScanner

कार्यालय प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय गोसाईंखेड़ा, उन्नाव ①

'एक भारत श्रेष्ठ भारत : देखो अपना देश' 23/06/2020

Webinar Series

'Indian History, Heritage, Culture and Literature'

(18-06-2020 to 21-06-2020)

रिपोर्ट

अत्यन्त ही हर्ष एवं गौरव का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय गोसाईंखेड़ा, उन्नाव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत: देखो अपना देश' के अन्तर्गत दिनांक 18-06-2020 से 21-06-2020 तक 'वेबिनार श्रृंखला' का आयोजन 'Indian History, Heritage, Culture and Literature' विषय पर किया गया। दिनांक 18-06-2020 'वेबिनार श्रृंखला' का प्रारम्भ डॉ० सपना पाण्डेय संयोजक 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' द्वारा मुख्य वक्ता, विद्वतजनों का सम्मान एवं इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु एक 'रचनात्मक प्लेटफार्म' प्रदान करने के दृष्टिगत सरकार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन के माध्यम से हुआ। डॉ० पाण्डेय ने बताया कि इस वेबिनार श्रृंखला का उद्देश्य अपने देश की संस्कृति, सभ्यता, विरासत एवं साहित्य के प्रति जागरूकता फैलाना एवं देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान करना है। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ० दीप्ति खरे जी द्वारा वेबिनार के मुख्य वक्ता श्री शरदचन्द्र राय विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग राज० महिला स्नात० महा० बिन्दकी फतेहपुर एवं अन्य विद्वतजनों का सम्मान किया गया। वक्ता ने 'Varanasi: History, Art, Culture and Tourism' पर प्रकाश डाला। अपने प्रस्तुतिकरण में उन्होंने वहाँ के खानपान, इतिहास, भ्रमण करने योग्य स्थानों के विषय में विस्तार से बताया। डॉ० ज्योति बाजपेई EBSB क्लब कोऑर्डिनेटर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिनांक 19-06-2020 'वेबिनार' की मुख्य वक्ता डॉ० मीता अरोड़ा विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग राजकीय महाविद्यालय उन्नाव ने 'देखो अपना देश: साहित्य के झरोखे से' विषय पर अत्यन्त ही खूबसूरत प्रस्तुति वक्तव्य के माध्यम से दी। उन्होंने अपने वक्तव्य का प्रारम्भ छायावादी कवि श्री जयशंकर प्रसाद जी की कविता की इन पंक्तियों 'अरुण यह मधुमय देश हमारा जहाँ पहुँच अनजान

Seen Deepti

Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner